

## पाठ का सार

मशीनों के प्रयोग ने एक ओर जहाँ वस्तुओं को सुंदरतर तथा सस्ते मूल्य पर लोगों के लिए उपलब्ध कराया है, वहीं दूसरी ओर इन वस्तुओं के उत्पादन से जुड़े लोगों के लिए रोजी-रोटी की समस्या खड़ी कर दी है। इस पाठ में लाख की चूड़ियाँ बनाने वाले कारीगर बदलू की इसी पीढ़ी का हृदयस्पर्शी वर्णन है।

लेखक अपने मामा के गाँव बहुत ही चाव से जाता था क्योंकि वहाँ बदलू नामक व्यक्ति उसे लाख की सुंदर-सुंदर गोलियाँ बनाकर दिया करता था। लेखक बदलू को बहुत-पसंद करता था। बदलू लेखक के मामा के गांव का रहने वाला था, इसलिए उसे बदलू को मामा कहना चाहिए था, पर अन्य बच्चों की तरह वह भी उसे 'बदलू काका' ही कहता था। बदलू नीम के पेड़ के नीचे बैठकर भट्टी पर लाख पिघलाकर बेलनानुमा लकड़ी पर चूड़ियाँ बनाता था। यह उसका पैतृक पेशा था। उसके द्वारा बनाई गई सुंदर चूड़ियों को गांव की सभी महिलाएँ पहनती थीं। शादी-विवाह के अवसर पर उसकी चूड़ियों का मूल्य बढ़ जाता था। जीवन भर मुफ्त चूड़ियाँ देने वाला बदलू ऐसे अवसर पर ज़िद करके सारी कसर पूरी कर लेता था। ऐसे अवसर पर एक जोड़े चूड़ी के बदले उसकी घरवाली को ढेरों कपड़े, अनाज तथा उसे पगड़ी और रुपए मिलते थे।

बदलू को काँच की चूड़ियों से बहुत चिढ़ थी। वह उस औरत को देखकर कुढ़ता, जिसके हाथ में काँच की चूड़ियाँ होती। लेखक जब बदलू को बताता कि शहर में औरतें काँच की चूड़ियाँ पहनती हैं तो वह कहता कि शहर की औरतों की कलाइयाँ नाजुक होती हैं और लाख की चूड़ियाँ पहनने से उनमें मोच आ जाएगी। बदलू लेखक को दूध की मलाई, पके आम और लाख की गोलियाँ दिया करता था। इसी बीच लेखक के पिता की बदली कहीं दूर हो गई और वह काफी समय तक गाँव न जा सका। काफी समय बाद गाँव जाने पर लेखक ने देखा कि गाँव की लगभग सभी स्त्रियों ने काँच की चूड़ियाँ पहन रखी हैं। जब वह बदलू से मिलने गया तो बदलू उसे पहचान न सका। लेखक द्वारा अपना परिचय देने पर भी बदलू शांत ही रहा। लेखक द्वारा काम के बारे में पूछने पर उसने बताया कि मशीनी युग में काँच की चूड़ियों के सामने उसके द्वारा बनाई गई लाख की चूड़ियाँ कोई पसंद नहीं करता है। उसका काम कई साल से बंद है। बदलू के कमजोर शरीर में अचानक खाँसी उठी। उसके मन में छिपी व्यथा को लेखक ने महसूस कर लिया। लेखक ने सोचा-इस मशीनीयुग ने कितने ही हाथ काट दिए हैं।

बात बदलने के उद्देश्य से लेखक ने उससे आम की फसल के बारे में पूछा। लेखक से फसल अच्छी होने की बात कहकर बदलू ने अपनी लड़की रज्जो से कुछ आम मगवाएँ। गाय के बारे में पूछने पर बदलू ने बताया कि गाय को उसने दो साल पहले बेच दिया था। वह गाय को कहाँ से खिलाता? इस बीच लेखक ने रज्जो की कलाई पर लाख की सुंदर चूड़ियों को देखा। बदलू ने बताया कि उसके द्वारा बनाया गया यही आखिरी जोड़ा था, जिसे उसने जमींदार की लड़की की शादी के अवसर के लिए बनाया था। जमींदार द्वारा उसका मूल्य दस आना ही दिए जाने के कारण उसने चूड़ियों का वह जोड़ा नहीं दिया और जमींदार से कहा, "जाकर शहर से ले आना।" यह सुनकर लेखक खुश हुआ कि बदलू ने अभी भी हार नहीं मानी है और उसका व्यक्तित्व काँच की चूड़ियों के समान कमजोर नहीं है।

## शब्दार्थ

लाख=लाह, चपड़ा (A substance like plastic)। चाव=रुचि (Hobby)। सहन=आँगन (Courtyard)। सलाख=छड़ (Rod)। मचिया=बैठने के लिए बनाई गई छोटी-सी चारपाई (A small cot)। मनिहार=काँच की चूड़ियाँ बनाने वाला (A bangle seller)। पैतृक=पुत्रैनी, पुरखों का (Paternal)। पेशा=जीविका कमाने का साधन (Occupation)। खपत=माँग (Demand)। वस्तु-विनिमय=वस्तुओं के बदले वस्तुओं का लेनदेन (Barter system)। कुढ़ना=खीझना (To be irritate)। नाजुक=कमजोर, मुलायम (Tender)। मोच=शरीर के जोड़ की नस का अपने स्थान से खिसक जाना (Sprain)। खातिर करना=स्वागत करना (To welcome)। बहुधा=अक्सर (Often)। अवधि=समय-सीमा (Duration)। विरले=बहुत कम (Rare, not common)। स्मृति पटल=यादों की तख्ती (Memory)। जोतना=मिट्टी को भुरभुरा बनाना (To plough)। भाँप लेना=अनुमान लगा लेना (To guess)। फसली=मौसमी (Seasonal)। डलिया=छोटी टोकरी (A small basket)। व्यथा=मन की तकलीफ (Agony)। फबना=बहुत अच्छा लगना (To look beautiful)। एक आना=छः पैसे अथवा एक रुपए का सोलहवाँ भाग (Sixteenth part of a rupee)।

### गद्यांशों पर आधारित अर्थग्रहण संबंधी प्रश्नोत्तर

**I. (पृष्ठ-5)** सारे गाँव में बदलू मुझे सबसे अच्छा आदमी लगता था क्योंकि वह मुझे सुंदर-सुंदर लाख की गोलियाँ बनाकर देता था। मुझे अपने मामा के गाँव जाने का सबसे बड़ा चाव यही था कि जब मैं वहाँ से लौटता था तो मेरे पास ढेर सारी गोलियाँ होतीं, रंग-बिरंगी गोलियाँ जो किसी भी बच्चे का मन मोह लें।

**प्र० 1. पाठ और लेखक का नाम लिखिए।**

**उ० -** पाठ का नाम - लाख की चूड़ियाँ, लेखक का नाम - कामतानाथ

**प्र० 2. बदलू कौन था? वह लेखक को क्यों अच्छा लगता था?**

**उ० -** बदलू लेखक के मामा के गाँव में लाख की चूड़ियाँ बनाने वाला कारीगर था। वह लेखक को लाख की रंग-बिरंगी गोलियाँ दिया करता था, इसलिए वह लेखक को अच्छा लगता था।

**प्र० 3. लेखक को कहाँ जाने का चाव था और क्यों?**

**उ० -** लेखक को अपने मामा के गाँव जाने का बहुत शौक था, क्योंकि वहाँ बदलू से उसे अपनी मनपसंद लाख की गोलियाँ मिल जाती थी।

**प्र० 4. गद्यांश के आधार पर लाख की गोलियों की विशेषता लिखिए।**

**उ० -** लाख की गोलियाँ रंग-बिरंगी थीं। वे इतनी सुंदर थीं कि बच्चों का मन मोह लेती थी।

**प्र० 5. 'लाख' शब्द का इस तरह प्रयोग कीजिए कि उसके अलग-अलग अर्थ स्पष्ट हो जाए।**

**उ० -** लाख— कहा जाता है कि रावण के एक लाख पुत्र थे। दुर्योधन ने पाण्डवों को लाख के बने घर में ठहराया।

**II. (पृष्ठ-6)** बदलू मनिहार था। चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पेशा था और वास्तव में वह बहुत ही सुंदर चूड़ियाँ बनाता था। उसकी बनाई हुई चूड़ियों की खपत भी बहुत थी। उस गाँव में तो सभी स्त्रियाँ उसकी बनाई गई चूड़ियाँ पहनती ही थी आस-पास के गाँवों के लोग भी उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। परंतु वह कभी भी चूड़ियों को पैसों से बेचता न था। उसका अभी तक वस्तु-विनिमय का तरीका था और लोग अनाज के बदले उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। बदलू स्वभाव से बहुत सीधा था। मैंने कभी भी उसे किसी से झगड़ते नहीं देखा। हाँ, शादी-विवाह के अवसरों पर वह अवश्य ज़िद पकड़ जाता था।

**प्र० 1. बदलू की बनाई चूड़ियों की क्या विशेषता थी?**

**उ० -** बदलू की बनाई चूड़ियों की विशेषता यह थी कि वे बहुत ही सुंदर होती थी। उसकी चूड़ियों की माँग बहुत अधिक थी।

**प्र० 2. गद्यांश में किस प्राचीन प्रथा की ओर संकेत किया गया है?**

**उ० -** गद्यांश में उस प्राचीन प्रथा की ओर संकेत किया गया है, जब वस्तुओं के बदले ही वस्तुओं का लेन-देन किया जाता था।

**प्र० 3. बदलू के स्वभाव की दो विशेषताएँ लिखिए।**

**उ० -** (क) बदलू स्वभाव से बहुत ही सीधा और सरल था। (ख) वह चूड़ियों को पैसों के बदले नहीं बेचता था।

**प्र० 4. शादी-विवाह के अवसर पर बदलू ज़िद क्यों करता था?**

**उ० -** बदलू जीवनभर मुफ्त चूड़ियाँ दे सकता था, पर शादी-विवाह के अवसर पर वह उन चूड़ियों का अधिकाधिक मूल्य पाने के लिए ज़िद करता था।

**प्र० 5. 'स्वभाव' तथा 'विवाह' शब्दों में 'इक' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए।**

**उ० -** स्वभाव— स्वाभाविक, विवाह— वैवाहिक

**III. (पृष्ठ-8)** मैं बहुधा हर गर्मी की छुट्टी में अपने मामा के यहाँ चला जाता और एक-साध महीने वहाँ रहकर स्कूल खुलने के समय तक वापस आ जाता। परंतु दो-तीन बार ही मैं अपने मामा के यहाँ गया होऊँगा तभी मेरे पिता की एक दूर के शहर में बदली हो गई और एक लंबी अवधि तक मैं अपने मामा के गाँव न जा सका। तब लगभग आठ-दस वर्षों के बाद जब मैं वहाँ गया तो इतना बड़ा हो चुका था कि लाख की गोलियों में मेरी रुचि नहीं रह गई थी। अतः गाँव में होते हुए भी कई दिनों तक मुझे बदलू का ध्यान न आया। इस बीच मैंने देखा कि गाँव में लगभग सभी स्त्रियाँ काँच की चूड़ियाँ पहने हैं।

**प्र० 1. लेखक अक्सर गर्मी की छुट्टी में कहाँ जाता था और क्यों?**

**उ० -** लेखक अक्सर गर्मी की छुट्टी में अपने मामा के गाँव जाता था। वहाँ उसे रंग-बिरंगी लाख की गोलियाँ मिल जाती थी। जो उसे बहुत पसंद थीं।

**प्र० 2. लेखक अपने मामा के घर लंबे समय तक क्यों नहीं जा सका?**

**उ० -** लेखक के पिता की बदली दूर के शहर में हो गई थी। वहाँ से बार-बार आना संभव न था। इसलिए वह लंबे समय तक वहाँ नहीं जा सका।

**प्र० 3. कई साल बाद गाँव जाने पर लेखक को बदलू का ध्यान क्यों नहीं आया ?**

**उ०** - दूर के शहर में, जहाँ लेखक रहता था वहाँ उसे लाख की रंगीन गोलियाँ नहीं मिल पाती थी। दस वर्षों में वह इतना बड़ा हो चुका था कि गोलियों में उसकी रुचि नहीं रह गई थी, इसलिए उसे बदलू का ध्यान नहीं आया।

**प्र० 4. लेखक को गाँव में क्या परिवर्तन दिखाई पड़ा ?**

**उ०** - लेखक को गाँव में यह परिवर्तन दिखाई दिया कि लाख की चूड़ियाँ पहनने वाली औरतों की कलाइयों में अब काँच की चूड़ियाँ थीं।

**प्र० 5. 'अवधि' शब्द का विशेषण बनाकर वाक्य प्रयोग कीजिए।**

**उ०** - अवधि—आवधिक = हमारी द्वितीय आवधिक परीक्षा समाप्त हो चुकी है।

**IV. (पृष्ठ-9)** आजकल काम नहीं करते काका ? मैंने पूछा।

नहीं लला, काम तो कई साल से बंद है। मेरी बनाई हुई चूड़ियाँ कोई पूछे तब तो। गाँव-गाँव में काँच का प्रचार हो गया है। वह कुछ देर चुप रहा, फिर बोला, मशीन युग है न यह, लला ! आजकल सब काम मशीन से होता है। खेत भी मशीन से जोते जाते हैं और फिर जो सुंदरता काँच की चूड़ियों में होती है, लाख में कहाँ संभव है ?

लेकिन काँच बड़ा खतरनाक होता है। बड़ी जल्दी टूट जाता है। मैंने कहा।

**प्र० 1. 'आजकल काम नहीं करते काका'— लेखक ने ऐसा क्यों कहा ?**

**उ०** - लेखक ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उसे बदलू की मचिया और भट्ठी नजर नहीं आ रही थी।

**प्र० 2. बदलू का काम कई साल से बंद क्यों था ?**

**उ०** - बदलू का काम इसलिए बंद था क्योंकि गाँव-गाँव में काँच का प्रचार हो चुका था और औरतों ने काँच की चूड़ियाँ पहनना शुरू कर दिया था।

**प्र० 3. मशीनी युग में बदलू जैसे कलाकारों पर क्या प्रभाव पड़ा ?**

**उ०** - मशीनी युग में बदलू जैसे कलाकारों का काम-काज छिन गया और वे भूखे मरने को विवश हो गए।

**प्र० 4. लाख और काँच की चूड़ियों में मुख्य अंतर क्या होता है ?**

**उ०** - लाख की चूड़ियाँ भारी तथा मजबूत होती हैं किंतु काँच की चूड़ियाँ हल्की, नाजुक, जल्दी टूटने वाली लेकिन बहुत ही खूबसूरत होती हैं।

**प्र० 5. 'प्रचार' तथा 'खतरनाक' शब्दों के पर्याय लिखिए।**

**उ०** - प्रचार—व्यवहार में आना, रिवाज, खतरनाक—घातक, हानि पहुँचाने वाला

**V. (पृष्ठ-10)** रज्जो ने चार-पाँच आम अंजुली में लेकर मेरी ओर बढ़ा दिए। आम लेने के लिए मैंने हाथ बढ़ाया तो मेरी निगाह एक क्षण के लिए उसके हाथों पर ठिठक गई। गोरी-गोरी कलाइयों पर लाख की चूड़ियाँ बहुत ही फब रही थीं।

बदलू ने मेरी दृष्टि देख ली और बोल पड़ा, यही आखिरी जोड़ा बनाया था। जमींदार साहब की बेटी के विवाह पर। दस आने पैसे मुझको दे रहे थे। मैंने जोड़ा नहीं दिया। कहा, शहर से ले आओ।

**प्र० 1. रज्जो कौन थी ? वह लेखक के लिए क्या लाई ?**

**उ०** - रज्जो बदलू की लड़की थी। वह लेखक के लिए आम लाई थी।

**प्र० 2. लेखक की दृष्टि अचानक क्यों ठिठक गई ?**

**उ०** - इस मशीनी युग में जब औरतें काँच की चूड़ियाँ पहनती हैं, ऐसे में रज्जो की गोरी कलाइयों पर लाख की सुंदर चूड़ियाँ देखकर लेखक की दृष्टि ठिठक कर रह गई।

**प्र० 3. लेखक की दृष्टि देख बदलू ने क्या अनुमान लगा लिया ?**

**उ०** - लेखक की दृष्टि देख बदलू ने यह अनुमान लगा लिया कि वह लाख की चूड़ियों के बारे में जिज्ञासु है, तथा आज भी लाख की चूड़ियाँ देखकर वह आश्चर्यचकित है।

**प्र० 4. बदलू ने जमींदार को चूड़ियों का जोड़ा क्यों नहीं दिया ?**

**उ०** - जमींदार शादी-विवाह जैसे मौके पर भी इस जोड़े को साधारण जोड़ा ही समझ रहा था और उसका दाम कुल दस आने पैसे ही दे रहा था, जो बहुत कम था, इसलिए बदलू ने उसे चूड़ियों का जोड़ा नहीं दिया।

**प्र० 5. 'ठिठकना' तथा 'फबना' शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए।**

**उ०** - ठिठकना—अचानक रुकना, फबना—सुंदर लगना

## प्रश्न-अभ्यास

### ● कहानी से:

प्र० 1. बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से क्यों जाता था और बदलू को 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' क्यों कहता था ?

उ० - लेखक बचपन में अपने मामा के घर चाव से जाता था क्योंकि

(i) उसे वहाँ बदलू से लाख की गोलियाँ मिल जाती थी।

(ii) बदलू उसे दूध की मलाई और आम खाने के लिए दिया करता था।

लेखक जब अपने मामा के गाँव जाता था, वहाँ बच्चों को 'बदलू काका' कहते हुए सुनता था। बच्चों के मुँह से 'बदलू काका' सुनकर वह भी बदलू को 'बदलू काका' कहता था।

प्र० 2. वस्तु-विनिमय क्या है ? विनिमय की प्रचलित पद्धति क्या है ?

उ० - वस्तु-विनिमय वह पद्धति है जिसमें वस्तुओं के बदले वस्तुओं का लेन-देन किया जाता है। वस्तुओं को पैसें के बदले नहीं दिया-लिया जाता है। एक वस्तु देकर दूसरी वस्तु लेना ही वस्तु विनिमय है।

वर्तमान में विनिमय की प्रचलित पद्धति पूरी तरह बदल गई है। आज रुपए-पैसें के बदले ही वस्तुएँ ली दी जाती हैं।

प्र० 3. 'मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए हैं।' - इस पंक्ति में लेखक ने किस व्यथा की ओर संकेत किया है ?

उ० - पहले जो काम हाथ से होता था और जिसे करने के लिए हजारों कारीगर काम में लगे रहते थे, आज मशीनी युग में मशीनों से वही काम होने लगा है। इससे कारीगर बेरोजगार हो गए हैं और वे भूखों मरने लगे हैं। ऐसा लगता है- जैसे उनके हाथ कट गए हों।

प्र० 4. बदलू के मन में ऐसी कौन-सी व्यथा थी जो लेखक से छिपी न रह सकी।

उ० - लाख की चूड़ियाँ बनाने वाला कुशल कारीगर बदलू मशीनीकरण की मार झेल रहा था। उसकी बनाई चूड़ियाँ पहनने वाली औरतों ने काँच की चूड़ियाँ पहनना शुरू कर दिया था। इससे उसके जैसे कारीगर बेरोजगार और उपेक्षित होकर रह गए। लोग अब कारीगरी की उपेक्षा कर दिखावटी चमक दमक को अधिक महत्व देने लगे थे। उसकी यह व्यथा लेखक से न छिप सकी।

प्र० 5. मशीनी युग से बदलू के जीवन में क्या बदलाव आया ?

उ० - मशीनी युग से बदलू के जीवन में निम्नलिखित बदलाव आए—

(i) उसकी आमदनी भी समाप्त हो गई।

(iii) वह बेरोजगार और उपेक्षित होकर रह गया।

(ii) रोजी-रोटी के लाले पड़ने के कारण बदलू लाचार, अशक्त और कुंठित हो गया था। वह कमजोर तथा बीमार रहने लगा था।

### ● कहानी से आगे:

प्र० 1. आपने मेले-बाज़ार आदि में हाथ से बनी चीज़ों को बिकते देखा होगा। आपके मन में किसी चीज़ को बनाने की कला सीखने की इच्छा हुई हो और आपने कोई कारीगरी सीखने का प्रयास किया हो तो उसके विषय में लिखिए।

उ० - मैंने मेले-बाज़ारों में अन्य सुंदर वस्तुओं के बीच रंग-बिरंगी मोमबत्तियाँ देखी हैं। विभिन्न आकार-प्रकार वाली ये रंग-बिरंगी और सफेद मोम-बत्तियाँ मुझे आकर्षित कर लेती हैं। इनके आकर्षण के फलस्वरूप मैंने इन्हें सीखने का निश्चय किया। मैंने अपने घर के पास ही एक कारीगर के पास पंद्रह दिनों तक इन्हें बनाना सीखा। अब मैं इन कलात्मक मोमबत्तियों को बनाकर अपनी रुचि पूरी कर लेता हूँ और कमाई भी कर लेता हूँ।

प्र० 2. लाख की वस्तुओं का निर्माण भारत के किन-किन राज्यों में होता है ? लाख से चूड़ियों के अतिरिक्त क्या-क्या चीज़ें बनती हैं ? ज्ञात कीजिए।

उ०-(i) लाख से बच्चों के खिलौने बनते हैं।

(iv) इससे चूड़ियाँ बनती हैं।

(ii) लाख से बनी वस्तुओं का निर्माण राजस्थान, कर्नाटक, गुजरात में होता है।

(iii) लाख से बनी वस्तुएँ डाकघरों में सील लगाने के लिए प्रयोग की जाती हैं।

### ● अनुमान और कल्पना:

प्र० 1. घर में मेहमान के आने पर आप उसका अतिथि-सत्कार कैसे करेंगे ?

उ० - घर में मेहमान के आने पर—

(i) हम आदर सहित बिठाएँगे।

(iv) उनके आने पर प्रसन्नता प्रकट करेंगे।

(ii) उन्हें चाय, पानी आदि देंगे। (v) आने का उद्देश्य जानना चाहेंगे।

(iii) टी.वी. पर उनकी पसंद का कार्यक्रम चालू करेंगे।

**प्र० 2. आपको छुट्टियों में किसके घर जाना सबसे अच्छा लगता है? वहाँ की दिनचर्या अलग कैसे होती है? लिखिए।**

**उ०** - मुझे छुट्टियों में अपने नाना-नानी के घर जाना सबसे अच्छा लगता है। वहाँ की दिनचर्या मेरे घर की दिनचर्या से पूरी तरह अलग होती है। जैसे—

(i) वहाँ पढ़ाई-लिखाई की चिंता नहीं रहती है।

(ii) सुबह-शाम खेत, बाग-बगीचे तथा कभी-कभी नदी-किनारे जाने का अवसर मिलता है।

(iii) बासी फल तथा सब्जियों की जगह खेत से तोड़े गए ताजे फल खाने को मिलते हैं।

(iv) गाय-भैंस चराने जाने, बागों में खेलने तथा ताजा दूध पीने को मिलता है।

**प्र० 3. मशीनी युग में अनेक परिवर्तन आए दिन होते रहते हैं। आप अपने आस-पास से इस प्रकार के किसी परिवर्तन को उदाहरण चुनिए और उसके बारे में लिखिए।**

**उ०** - मशीनी युग ने हर स्थान पर बदलाव ला दिया है। ऐसे परिवर्तन हमारे आस-पास सहजता से देखे जा सकते हैं— मेरे घर के पास कुम्हारों का मुहल्ला है। मैं बचपन में देखता था कि वे मिट्टी से तरह-तरह के खिलौने बनाकर पकाते थे। उन पर तरह-तरह के रंग चढ़ाकर अत्यंत सुंदर बनाते थे। उन्हें बेचकर अपनी आजीविका चलाते थे। अब बाजार में मशीनों से बने सुंदर खिलौने आ गए हैं। इससे उनका रोजगार छिन्न गया और वे अन्य काम जैसे मजदूरी करने को विवश हो गए हैं।

**प्र० 4. बाजार में बिकने वाले सामानों की डिजाइनों में हमेशा परिवर्तन होता रहता है। आप इन परिवर्तनों को किस प्रकार देखते हैं? आपस में चर्चा कीजिए।**

**उ०** - बाजार में बिकने वाले सामानों की डिजाइनों में हमेशा परिवर्तन होता रहता है। हमारी आदतें, बदलता फैशन, हमारी रुचियाँ, पाश्चात्य सभ्यता, अंधाधुंध नकल आदि की प्रवृत्ति के कारण डिजाइनों में यह परिवर्तन आता रहता है।

**प्र० 5. हमारे खान-पान, रहन-सहन और कपड़ों में भी बदलाव आ रहा है। इस बदलाव के पक्ष-विपक्ष में बातचीत कीजिए और बातचीत के आधार पर लेख तैयार कीजिए।**

**उ०** - परिवर्तन के इस युग में सब कुछ परिवर्तित हो रहा है। हमारा खान-पान, रहन-सहन और कपड़े भी इससे अछूते नहीं हैं। यह बदलाव समय के साथ भविष्य में भी होता रहेगा। खान-पान, रहन-सहन तथा कपड़ों में आया बदलाव समाज के अनुरूप आवश्यक होता है, किंतु इसे एक सीमा में ही रहकर अपनाना चाहिए। अति हर चीज की बुरी होती है अतः हमें बिना सोचे-समझे आँखें बंदकर इन परिवर्तनों को नहीं अपनाना चाहिए।

#### ● भाषा की बात:

**प्र० 1. 'बदलू को किसी बात से चिढ़ थी तो काँच की चूड़ियों से' और बदलू स्वयं कहता है—“जो सुंदरता काँच की चूड़ियों में होती है लाख में कहाँ संभव है?” ये पंक्तियाँ बदलू की दो प्रकार की मनोदशाओं को सामने लाती हैं। दूसरी पंक्ति में उसके मन की पीड़ा है। उसमें व्यंग्य भी है। हारे हुए मन से, या दुखी मन से अथवा व्यंग्य में बोले गए वाक्यों के अर्थ सामान्य नहीं होते। कुछ व्यंग्य वाक्यों को ध्यानपूर्वक समझकर एकत्र कीजिए और उनके भीतरी अर्थ की व्याख्या करके लिखिए।**

**उ०** - व्यंग्य वाक्य: शहर की बात और है लला! वहाँ तो सभी कुछ होता है।

**व्याख्या:** बदलू ने इस वाक्य के माध्यम से शहरी संस्कृति पर व्यंग्य किया है। शहरवासी अपनी संस्कृति भूलकर पश्चिमी संस्कृति के नाम पर अधनंगापन अपनाते जा रहे हैं।

**व्यंग्य वाक्य:** मशीनी युग है न यह लला! आजकल सब काम मशीन से होता है।

**व्याख्या:** मशीनीयुग में मशीनों से बने सामान खरीदना लोगों की पसंद बनता जा रहा है। ऐसे में हाथ से काम करने वाले कारीगरों को भूखों मरने की नौबत आ गई है। इस ओर किसी का ध्यान जाता ही नहीं।

**प्र० 2. 'बदलू' कहानी की दृष्टि से पात्र है और भाषा की बात (व्याकरण) की दृष्टि से संज्ञा है। किसी भी व्यक्ति, स्थान, वस्तु, विचार अथवा भाव को संज्ञा कहते हैं। संज्ञा को तीन भेदों में बाँटा गया है (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, जैसे—शहर, गाँव, पतली-मोटी, गोल, चिकना इत्यादि। (ख) जातिवाचक संज्ञा, जैसे—चरित्र, स्वभाव, वजन, आकार आदि द्वारा जानी जाने वाली संज्ञा। (ग) भाववाचक संज्ञा, जैसे—सुंदरता, नाजुक, प्रसन्नता इत्यादि जिसमें कोई व्यक्ति नहीं है और न आकार, वजन। परंतु उसका अनुभव होता है। पाठ से तीनों प्रकार की संज्ञाएँ चुनकर लिखिए।**



उ० - पाठ से लिए गए संज्ञा शब्द—

(i) **व्यक्तिवाचक संज्ञा:** बदलू, रज्जो, लाख, नीम, जनार्दन आदि।

(ii) **जातिवाचक संज्ञा:** मामा गाँव, वृक्ष, नव-वधू, मरद, घरवाली, स्कूल, शहर, जमींदार आदि।

(iii) **भाववाचक संज्ञा:** पढ़ाई, मोच, सुंदरता, प्रसन्नता, व्यथा, व्यक्तित्व आदि।

प्र० 3. गाँव की बोली में कई शब्दों के उच्चारण बदल जाते हैं। कहानी में बदलू वक्त (समय) को बखत, उम्र (वय/आयु) को उमर कहता है। इस तरह के अन्य शब्दों को खोजिए जिनके रूप में परिवर्तन हुआ हो, अर्थ में नहीं।

उ० -	मूल शब्द	शब्दों का बदला स्वरूप
	मरद	मर्द
	बखत	वक्त
	भइया	भैया
	उमर	उम्र

### परीक्षोपयोगी अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

#### ● लघुत्तरीय प्रश्न:

प्र० 1. बदलू की बनाई लाख की चूड़ियों का मूल्य विवाह के अवसर पर किस तरह बढ़ जाता था।

उ० - बदलू की बनाई लाख की चूड़ियाँ विवाह के अवसर पर साधारण चूड़ियाँ न रहकर 'सुहाग का जोड़ा' बन जाती थी। विवाह के अवसर पर इस जोड़े का विशेष महत्व होता है। ऐसे अवसर पर बदलू इस जोड़े का भरपूर दाम लिए बिना जोड़ा नहीं देते थे। वह ज्यादा से ज्यादा मूल्य वसूलता था।

प्र० 2. बदलू लेखक की किस तरह खातिरदारी करता था ?

उ० - लेखक जब बदलू के पास जाता था तो बदलू गाय के दूध की बची मलाई लेखक को खिलाता था। आम की फसल के समय तो वह अपने पेड़ों से लेखक को दो-चार आम प्रतिदिन देता था। इसके अलावा लेखक जब भी जाता बदलू उसके लिए लाख की एक दो गोलियाँ बनाकर दे दिया करता था जो उसे बहुत ही पसंद थी।

प्र० 3. किस घटना के बाद सहसा लेखक को बदलू का ध्यान आ गया ?

उ० - दस साल बाद बड़ा हो जाने से लेखक की गोलियों में रुचि नहीं रह गई थी, इसलिए उसे बदलू का ध्यान नहीं रह गया था। एक दिन अचानक उसके मामा की लड़की के हाथ में काँच की टूटी चूड़ियों से घाव हो गया। बदलू हमेशा ही काँच की चूड़ियों से चिढ़ा करता था। इस घटना से अचानक उसे बदलू की याद आ गई।

प्र० 4. मशीनीयुग ने बदलू जैसे कारीगर को अशक्त बना दिया था- स्पष्ट कीजिए।

उ० - मशीनों से हर काम किए जाने के कारण बदलू जैसे कारीगर बेकार होकर रह गए। उनकी रोजी-रोटी बंद हो गई थी। वे असमय वृद्ध हो गए थे। वे बीमार रहने लगे थे। उनकी आँखों की ज्योति तथा याददाश्त क्षीण होती जा रही थी। बदलू द्वारा लेखक को न पहचान पाना इसका स्पष्ट उदाहरण है।

प्र० 5. बदलू ने गाय क्यों बेच दी थी ?

उ० - मशीनी युग में हर काम मशीन से होने के कारण काँच की सुंदर-सुंदर चूड़ियाँ बाजार में आ गयी थी। महिलाएँ काँच की इन चूड़ियों को अधिक पसंद करती थी। इससे बदलू की बनाई लाख की चूड़ियों की खपत कम होने लगी। आमदनी कम होने से वह गाय को क्या खिलाता, इसलिए उसने गाय बेच दी थी।

प्र० 6. विशेषण के चार भेद होते हैं- 1. गुणवाचक 2. परिमाण वाचक 3. संख्यावाचक 4. संकेतवाचक। नीचे लिखे शब्दों को इनके भेद के साथ लिखिए— कोमल, दस, दो विलोम, मृदुल, दो दर्जन ईमानदार, कोई आदमी, पहला, अच्छा, पीला, सातवीं, यह घर, खट्टा, ये किसान वार्षिक।

उ० - **गुणवाचक**— कोमल, मृदुल, ईमानदार, अच्छा, पीला, खट्टा वार्षिक।

**परिमाणवाचक**— दोकिलो, दो दर्जन

**संख्यावाचक**— दस, पहला, सातवीं

**संकेतवाचक**— कोई आदमी, यह घर ये किसान

● दीर्घउत्तरीय प्रश्न:

प्र० 1. बदलू कौन था ? वह लाख की चूड़ियाँ किस तरह बनाता था ?

उ० - बदलू लाख की चूड़ियाँ बनाने वाला मनिहार था। चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पेशा था। वह अपने मकान के सामने पुराने नीम के पेड़ के नीचे बैठकर चूड़ियाँ बनाया करता था। वह भट्टी पर लाख पिघलाया करता था। पिघली लाख को वह चौखट पर सलाख के समान पतला करके चूड़ी का आकार देता था। इन चूड़ियों को वह मुंगेरियों पर चढ़ाकर चिकना तथा गोल बनाता। चूड़ियाँ बन जाने के बाद वह उन पर रंग करता। इस तरह उसकी बनाई लाख की सुंदर चूड़ियाँ तैयार हो जाती।

प्र० 2. सीधे स्वभाव वाले बदलू का स्वभाव शादी-विवाह के अवसर पर किस तरह बदल जाता था ?

उ० - बदलू की बनाई लाख की सुंदर चूड़ियों को सभी स्त्रियाँ बहुत पसंद करती थी। आस-पास के गाँव में भी उसकी बनाई चूड़ियों की माँग थी, परंतु वह चूड़ियों को पैसे के बदले नहीं बेचता था। वह बहुत ही सीधा स्वभाव वाला था। जीवनभर मुफ्त चूड़ियाँ दे सकने वाला बदलू शादी-विवाह के अवसर पर ज़िद करके अपनी चूड़ियों की पूरी कीमत वसूल लेता था। चूड़ियों के दाम कम होने पर चूड़ियाँ नहीं देता था और बाज़ार से खरीदने के लिए कह देता था।

**बहुविकल्पीय प्रश्न (सी.सी.ई.पी. परीक्षा हेतु)**

प्र० 1. 'लाख की चूड़ियाँ' पाठ के लेखक निम्नलिखित में से कौन हैं ?

(क) हरिशंकर परसाई (ख) कामतानाथ (ग) भगवतीचरण शर्मा (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र० 2. निम्नलिखित में से कौन लाख की सुंदर चूड़ियाँ बनाया करता था ?

(क) अलगू (ख) बबलू (ग) बदलू (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र० 3. बदलू के मकान के सामने बड़े से सहन में एक पुराना-----का पेड़ था।

(क) नीम (ख) पीपल (ग) आम (घ) जामुन

प्र० 4. शादी-विवाह के अवसर बदलू-----।

(क) चूड़ियाँ मुफ्त दे देता था। (ख) एक के साथ एक मुफ्त देता था।

(ग) सारी कसर निकाल देता था। (घ) इनमें से कोई नहीं।

प्र० 5. आठ-दस वर्षों बाद बदलू के पास जाने पर लेखक ने अपना परिचय किस नाम से दिया था।

(क) कामतानाथ (ख) जनार्दन (ग) अमरनाथ (घ) अहिमर्दन

प्र० 6. खाँसते हुए बदलू ने लेखक की शंका भाँप ली और बोला मुझे-----नहीं है।

(क) मलेरिया (ख) टी.वी (ग) दमा (घ) कैंसर

प्र० 7. बदलू की बेटी लेखक के लिए आम लेकर आई। उसका नाम था-----।

(क) रज्जो (ख) बन्नो (ग) सन्नो (घ) इनमें से कोई नहीं।

प्र० 8. जर्मींदार अपनी बेटी की शादी के अवसर पर सुहाग के जोड़े का क्या मूल्य बदलू को दे रहा था ?

(क) आठ आने (ख) सोलह आने (ग) नौ आने (घ) दस आने

प्र० 9. बदलू के व्यक्तित्व की कौन-सी विशेषता आपको प्रभावित करती है।

(क) वस्तुओं के बदले चूड़ियाँ देने की (ख) हारकर भी हार न मानने की  
(ग) काँच की चूड़ियाँ से कुढ़ने की। (घ) शादी-विवाह के अवसर पर ज़िद करने की

प्र० 10. 'मरद' शब्द उद्गम की दृष्टि से किस प्रकार का है ?

(क) तद्भव (ख) विदेशज (ग) तत्सम (घ) देशज

प्र० 11. 'विरले' शब्द का विपरीतार्थक निम्नलिखित में से कौन-सा है ?

(क) बिछड़े (ख) मज़ले (ग) दुर्लभ (घ) साधारण

प्र० 12. 'व्यक्तित्व' शब्द का भेद निम्नलिखित में से कौन-सा है ?

(क) भाववाचक संज्ञा (ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ग) जातिवाचक संज्ञा (घ) इनमें से कोई नहीं।

प्र० 13. 'बेटी लला को चार पाँच सिंदूरी आम दे देना' में 'सिंदूरी' शब्द किस व्याकरणिक कोटि का शब्द है ?

(क) संज्ञा (ख) विशेषण (ग) सर्वनाम (घ) क्रिया

उ० - 1. (ख) 4. (ग) 7. (क) 10. (क) 13. (ख)

2. (ग) 5. (ख) 8. (घ) 11. (घ)

3. (क) 6. (ग) 9. (ख) 12. (क)